

दिनांक 20 नवम्बर, 1987

सं० ओ० वि०/मिवानी/156-87/46672.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) प्रबन्धक निदेशक, हरियाणा स्टेट फैंडरेशन आफ कन्जुमर कोप्रेटिव होमसैल स्टोर लि० (कनफैड), सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़, (2) ऐरिया मैनेजर, कनफैड अफिस, नरवाना, जि० जीन्द, के अमिक श्री राम भवतारसेवादार पुत्र श्री गिरदावर सिंह, गांव इमरखा कलां, तह० नरवाना, जि० जीन्द तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखे मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राम भवतार सेवादार की सेवाओं का समापन/छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

धार० एस० अग्रवाल,

उप सचिव,

हरियाणा सरकार ।

दिनांक 20 नवम्बर, 1987

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/199-86/46702.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मुख्य प्रशासक, रोदाबाद मिश्रित प्रशासन, फरीदाबाद के प्रधान/महा सचिव, मिश्रित प्रशासन अमिक युनियन, मकान नं० 2876, जवाहर कालोनी, एन० आई० टी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

(1) क्या श्री विजेन्द्र सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

(2) क्या संस्था के सभी अमिक हरियाणा सरकार द्वारा घोषित की गई छुट्टियां प्राप्त करने के हकदार हैं और क्या जिन दिनों प्रशासन का कार्यालय बन्द हो उन दिनों सभी अमिक छुट्टी के अधिकार के पात्र बनते हैं या नहीं ? यदि हां तो किस विवरण सहित ?

ीनाक्षी प्रानन्द चौधरी,

प्रायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,

अम तथा रोजगार विभाग ।

दिनांक 20 नवम्बर, 1987

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/75-87/46714.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० कैपिटल रजिस्ट्रार एण्ड प्लानिग ऑफिस, 22-ए, औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद न्यू टाउन के अमिक श्री ललन प्रसाद मार्फत फरीदाबाद कामभार युनियन 2/7 गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री ललन प्रसाद ने स्वयं गैर हाजिर हो कर नौकरी पर से लिबन खोया है या उसकी सेवाएं समाप्त की गई हैं ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?